

कार्यालय रजिस्ट्रार संस्थाएं अजमेर ।

राजस्थान सरकार



रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

क्रमांक:73 / अजमेर / 16-17

प्रमाणित किया जाता है कि मार्टन एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेन्टर संस्थान अजमेर, जिला- अजमेर का राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 (राजस्थान अधिनियम संख्या - 28, 1958) के अंतर्गत रजिस्ट्रीकरण आज दिनांक को किया गया ।

यह प्रमाण पत्र मेरे हस्ताक्षर और कार्यालय की मोहर से आज दिनांक छः माह जुलाई सन् दो हजार सोलह को अजमेर में जारी किया गया ।

Suh
(अभिलाषा पारीक)
रजिस्ट्रार संस्थाएं
रजिस्ट्रार संस्थाएं
अजमेर

कार्यालय रजिस्ट्रार संस्थाएं अजमेर

दिनांक 6/7/16

क्रमांक फा. () संस्था/पंजीयन/16-17/2215

श्री. शाही पाल S/o. कन्हैयालाल
अध्यक्ष/मंत्री/कोषाध्यक्ष

माईन एनु डेवान एंड रिटर्न सेन्टर संस्थान अजमेर

जिला अजमेर

विषय:- राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के अन्तर्गत पंजीयन बाबत ।

विषयान्तर्गत लेख है कि आपकी संस्था का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र क्रमांक 73/ अजमेर / 2016-17 दिनांक 06-07-2016 जिसकी प्राप्ति की सूचना भिजवाने का कष्ट करे । यहां आपका ध्यान अधिनियम की धारा 4 व 4 (क) की और भी आकर्षित किया जाता है, जिसके प्रावधानों के अनुसार प्रतिवर्ष वार्षिक साधारण सभा के 14 वें दिवस में निम्नलिखित सूचनाएं इस कार्यालय को भिजवाना आवश्यक है -

- 1- संस्था के मामलों का प्रबन्ध जिसको सौंपा गया है, उस परिषद समिति या अन्य शासी निकाय के शासकों/संचालको न्यासियों या सदस्य के नाम पते और पेशे की सूचना मय पद के ।
- 2- एक विवरण पत्र जिसमें उपरोक्त सदस्यों के नाम आदि उस वर्ष की सूची हो जिसमें वर्ष के दौरान हुए समस्त परिवर्तनों को दिखाया गया हो ।
- 3- संस्था के नियमों और विनियमों की एक तारीख सही प्रतिलिपि जो शाही निकायों के शासको, संचालको, न्यासियों या सदस्यों में से कम से कम तीन द्वारा सही प्रमाणित की गई है ।

इसके अतिरिक्त संस्था के नियमों और विनियमों में किए गये प्रत्येक परिवर्तन की प्रतिलिपि जो उपरोक्त रीति से सही प्रमाणित की हुई हो, ऐसा परिवर्तन करने की तारीख से 14 दिनों के अन्दर इस कार्यालय को पहुंच जानी चाहिए ।

आपका ध्यान इस और अधिनियम की धारा 4 (ख) की और आकर्षित कर लेख है कि जिसके अनुसार उपरोक्त प्रावधानों के पालना में विफल रहने वाला अपराध सिद्ध होने पर ऐसे अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा जो पांच सौ रूपये तक हो सकता है, तथा लगातार भंग होने की स्थिति में ओर ऐसे अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा जो प्रत्येक दिन के लिए जिसमें कि ऐसे अपराध के लिए प्रथम अपराध सिद्ध होने के पश्चात जारी रहता है । पचास रूपये से अधिक नहीं होगा । यदि कोई व्यक्ति धारा 4 के अधीन प्रस्तुत की गई सूची में या धारा 4 "क" के अधिन रजिस्ट्रार को भेजे गए विवरण पत्र का नियमों और विनियमों की या उनमें किए गए परिवर्तनों की प्रतिलिपि में जानबुझकर कोई मिथ्या प्रविष्टि या लोप करता है, तो वह अपराध सिद्ध होने पर ऐसे अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा, जो दो हजार रूपये तक हो सकता है ।

सलग्न:- मूल प्रमाण पत्र, विधान पत्र
एवं विधान नियमावली

रजिस्ट्रार संस्थाएं
अजमेर

नोट:-

- 1- इस कार्यालय से भविष्य में किसी भी प्रकार का पत्र व्यवहार करते समय कृपया अपनी संस्था का रजिस्ट्रेशन नम्बर, वर्ष व पूर्ण पता अंकित करें ।
- 2- पंजीयन के पश्चात् संस्था के पेन नं. कार्यालय को 15 दिवस में प्रस्तुत करें अन्यथा संस्था का पंजीयन निरस्त/रद्द कर दिया जावेगा । कृपया सूचित रहें ।

राजस्थान संस्थाएं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के

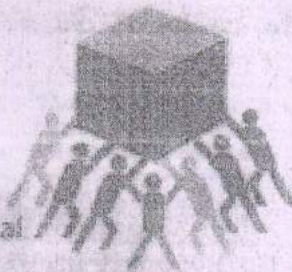
अन्तर्गत रजिस्ट्रेशन हेतु

आवेदन प्रपत्र

2012

International
Year of

Cooperatives



Vijay Prakash

Secretary, Registrar

D Block, 1st Floor, Registrar

Jaipur

संघ विधान-पत्र

- 1- संस्था का नाम:- मार्डन एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेन्टर संस्थान अजमेर समिति / सोसायटी / संस्थान / संस्था है व रहेगा ।
- 2- पंजीकृत कार्यालय:- इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय द्वारा श्री शशिपाल कुमावत न्यू फुड नगर, ब्यावर रोड, अजमेर, जिला अजमेर तथा इसका कार्यक्षेत्र भारत देश क्षेत्र तक सीमित होगा ।
- 3- संस्था के उद्देश्य:- इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:-

क.सं	संस्था के उद्देश्य
1.	शिक्षण संस्थान की स्थापना कर संचालन करना । राजस्थान सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाये गये पाठयक्रम के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा देने की व्यवस्था करना ।
2.	छात्रों के लिए स्कूल एवं खेल मैदान हेतु भूमि राज्य सरकार से अनुदानित दरों से प्राप्त कर / कय कर शिक्षा भवनों एवं खेलकूद मैदान की व्यवस्था करना ।
3.	ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का प्रचार प्रसार करना ।
4.	गरीब छात्र छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करना ।
5.	राज्य सरकार द्वारा चलाये गये साक्षरता अभियान का सफल बनाने के प्रयास करना
6.	प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा व उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की स्थापना व संचालन करना ।
7.	शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु पत्र पत्रिकाएँ एवं बुलेटिन का प्रकाशन करना ।
8.	बाल कल्याण कार्यक्रमों एवं क्रिया कलाओं की व्यवस्था करना व संचालन में सहयोग प्रदान करना व सहयोग लेना ।
9.	छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना । एवं आम जन में राष्ट्रीय भावना का प्रचार प्रसार समाज के प्रति कर्तव्यों का ज्ञान एवं सुशिक्षित जिम्मेदार नागरिक बनाना ।
10.	आधुनिक वैज्ञानिक चेतना हेतु कंप्यूटर, नर्सिंग, चिकित्सा व अन्य शिक्षा के स्कूल कॉलेज भूमि आदि की स्थापना व संचालन करना ।
11.	छात्र छात्राओं के शैक्षणिक, शारीरिक, मानसिक सम्यक्ता हेतु विभिन्न स्रोतों से सहायता प्राप्त कर संचालन करना ।
12.	अनुसूचित जाति जनजाति अल्प पिछड़ा वर्ग व महिलाओं के सामाजिक आर्थिक व शैक्षणिक उत्थान हेतु कार्य करना महिला शसक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग प्रदान करना ।
13.	समस्त प्रकार की उच्च शिक्षा, स्नातक व अधिस्नातक मेडिकल अनुसंधान केन्द्र, इंजिनियरिंग, नर्सिंग बी.एड. तकनीकी शिक्षा, फार्मसी कॉलेज के निर्माण एवं संचालन में सहयोग लेना व सहयोग प्रदान करना ।
14.	विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी विभागों में तकनीकी / प्रशिक्षण कर्मचारी उपलब्ध कराने, न्यूनतम खर्च व बगैर निविदा के सामग्री उपलब्ध कराना एवं सरकारी व गैर सरकारी विभागों से सहायता अथवा अनुदान प्राप्त संस्था के संचालन में सहयोग प्रदान करना ।
15.	विभिन्न प्रकार की बीमारियों के रोकथाम में शिविर आयोजित कर सहयोग देना एवं पर्यावरण, वन, पशु व मत्स्य पालन केंद्रों की स्थापना, संचालन बागवानी व वृक्षारोपण कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करना ।
16.	केन्द्र / राज्य सरकार व अर्द्धसरकारी संस्थाओं द्वारा जारी विकास योजनाओं से सहयोग प्राप्त कर निराश्रितों, असहाय, वृद्धजनों महिला परित्याकताओ अनु. जाति जनजाति एवं जरूरतमंदों को सहायता करना ।

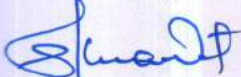
Signature

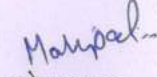
Kavita

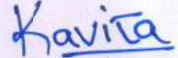
Manager

17	केन्द्र /राज्य सरकार व अर्द्धसरकारी संस्थाओं द्वारा जारी विकास योजनाओं से सहयोग प्राप्त कर व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय स्कूल छात्रावास, बालगृहों पालन घरों, और मातृत्व बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन कर सहायता प्रदान करना ।
18	पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम, वन विकास करना, वनोपधियो एवं अन्य पोधों की व्यापारिक कृषि को बढावा देना व सेमीनार आयोजित कर प्रचार प्रसार करना व वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयास करना
19	केंद्र /राज्य सरकार एवं जनसमूहों से प्राकृतिक आपदा प्रबंधन हेतु सहयोग प्राप्त कर सहायता दिलाना ।
20	मानव जाति की उन्नति हेतु समस्त कार्याणकारी कार्य करना, व प्रचार प्रसार में सहयोग प्रदान करना ।

उपरोक्त उद्देश्यों में कोई लाभ निहित नहीं है।


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष


मंत्री

4. संस्थान का कार्यभार - संस्थान का कार्यभार संस्थान के नियमानुसार एक कार्यकारिणी समिति को सौंपा गया है जिसके प्रथम वर्तमान पदाधिकारी निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	नाम व पिता का नाम	व्यवसाय	पूर्ण पता	पद
1.	शाशिपाल कुमावत 5/0 कन्हैमालाल	व्यापार	435, न्यू कॉलोनी तालाबके पास पीसावन	अध्यक्ष
2.	सह्याय कुमावत 5/0 कन्हैमालाल	व्यापार	लक्ष्मी विवालय नई कालोनी वास 225, कपास पीसावन	कोषाध्यक्ष
3.	शशिपाल कुमावत 5/0 शशिपाल कुमावत	व्यापार	56-चन्द्रनगर वार्ड न व्यावर रोड, अजमेर	संजरी
4.	सुमती कुमावत 7/0 शाशिपाल कुमावत	अध्यक्ष	89-चन्द्रनगर वार्ड न 1213 सर्वी मोड, अजमेर	7467
5.	मोहनराम खेजा 5/0 दामाराम	व्यापार	764 खेजा कावाल खेजा पीसावन	7467
6.	अर्चना केवर 5/0 मुहम्मद मोहम्मद	व्यापार	158 सलमनगर सोवडा अजमेर	7467
7.	मोहम्मद मोहम्मद 5/0 अवानी खे	व्यापार	158 सलमनगर सोवडा अजमेर	7467
8.				
9.				
10.				
11.				

Signature
अध्यक्ष

Mahipal,
कोषाध्यक्ष

Kavita
संजरी

5. हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता जिनके नाम, व्यवसाय व पूर्ण पते निम्न प्रकार है, इस संध-विधान पत्र के अन्तर्गत इस संस्था के रूप में गठित होने व इसे रजिस्ट्रीकृत करवाने के इच्छुक हैं।

क्र.सं.	नाम व पिता का नाम	व्यवसाय	पूर्ण पता	हस्ताक्षर
1.	शाशिपाल कुमावत S/o चन्हेमालाल	ट्यापार	1135, न्यू कॉलेज लाला शशिपाल जी सिंगन	
2.	महिपाल कुमावत S/o चन्हेमालाल	ट्यापार	लक्ष्मी निवास नर्स कॉलेज बालि-205 पीतागन	malipal
3.	कविता कुमावत w/o शाशिपाल कुमावत	पूरणी	56 चन्हेनगर वमावर रोड बजौर	Kavita
4.	वेमल कुमावत S/o शाशिपाल कुमावत	रज्यभंग	89 चन्हेनगर एड्स 1313 सिवा होस्टल बजौर	Vaibhavi
5.	मोहनराम खोत्रा S/o दमाराम	गो. वाकरी	764 खोत्रा कावाला खोत्रा पीपल्स जयपुर	
6.	अर्चना खन्वर w/o महेन्द्र सिंह मनोहर	प्रसिद्ध गो.वाकरी	A58 कल्यानगर खोत्रा पीपल्स जयपुर	Archana
7.	महेन्द्र सिंह मनोहर S/o अशोक सिंह	प्रसिद्ध गो.वाकरी	A58 कल्यानगर खोत्रा पीपल्स जयपुर	Manoj
8.	मोना इशानिया w/o शाशिपाल	वाटगार	S.P. 38A Ricco Area Delhi Road Jai Pur	Manoj
9.	डॉ. कुमावत w/o शाशिपाल	अंधश्रम	56-A चन्हेनगर वमावर रोड बजौर	Dr. Shikha
10.	दीपक S/o. राजेश चन्हेमालाल	गो.वाकरी	44 चन्हेनगर इगापुरा नर्स 14 जयपुर	Deepak
11.				
12.				
13.				


अध्यक्ष

malipal
कोषाध्यक्ष

Kavita
मंत्री

क्र.सं.	नाम व पिता का नाम	व्यवसाय	पूर्ण पता	हस्ताक्षर
14.
15.

हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता प्रमाणित करते हैं कि उपरोक्त हस्ताक्षरकर्ताओं को हम जानते हैं व इन्होंने हमारे समक्ष अपने अपने हस्ताक्षर किये हैं। हम यह भी घोषणा करते हैं कि हम इस संस्थान के सदस्य नहीं हैं।



हस्ताक्षर	<i>G.M. Shrivastava</i>	हस्ताक्षर	<i>G.M. Shrivastava</i>
नाम	शिवराज खिन्नी	नाम	सुकेश कुमार खन्ना
व्यवसाय	लोकरी	व्यवसाय	पाइपेर लोकरी
पता	S/O रामलाल खन्नी जिला रोड	पता	S/O जीवणाराध पांडे-पांडे न-रियावाडी जिला नाकोर

73/अफेर/16-17

- संस्थान का पंजीवन क्रमांक.....
- संस्था का नाम भाईने एडुकेशन एंड रिसर्च सेन्टर अफेर
- किस्म वस्तावेज सचिव विधाक
- वस्तावेजों की संख्या 412
- दिनांक पंजीयन 06-7-16
- हस्ताक्षर राजस्त्रा. *Sumit*

<i>Sumit</i>	Mohit P.C.	Kavita
अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	मंत्री

TESTED
 20/07/17
 NOTARY PUBLIC, AJMER
Sumit

विधान नियमावली

- 1- संस्था का नाम:- मार्डन एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेन्टर संस्थान अजमेर समिति / सोसायटी / संस्थान / संस्था है व रहेगा ।
- 2- पंजीकृत कार्यालय:- इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय द्वारा श्री शशिपाल कुमावत न्यू पन्दनगर व्यावरण अजमेर, जिला अजमेर तथा इसका कार्यक्षेत्र भारत देश क्षेत्र तक सीमित होगा ।
- 3- संस्था के उद्देश्य:- इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य है:-

क्र.सं	संस्था के उद्देश्य
1.	शिक्षण संस्थान की स्थापना कर संचालन करना । राजस्थान सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाये गये पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा देने की व्यवस्था करना ।
2.	छात्रों के लिए स्कूल एवं खेल मैदान हेतु भूमि राज्य सरकार से अनुदानित दरों से प्राप्त कर / कय कर शिक्षा भवनों एवं खेलकूद मैदान की व्यवस्था करना ।
3.	ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का प्रचार प्रसार करना ।
4.	गरीब छात्र छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करना ।
5.	राज्य सरकार द्वारा चलाये गये साक्षरता अभियान को सफल बनाने के प्रयास करना
6.	प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा व उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की स्थापना व संचालन करना ।
7.	शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु पत्र पत्रिकाएँ एवं बुलेटिन का प्रकाशन करना ।
8.	बाल कल्याण कार्यक्रमों एवं क्रिया कलाओं की व्यवस्था करना व संचालन में सहयोग प्रदान करना व सहयोग लेना ।
9.	छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना । एवं आम जन में राष्ट्रीय भावना का प्रचार प्रसार समाज के प्रति कर्तव्य का ज्ञान एवं शिक्षित जिम्मेदार नागरिक बनाना ।
10.	आधुनिक वैज्ञानिक चेतना हेतु कम्प्यूटर, नर्सिंग, चिकित्सा व अन्य शिक्षा के स्कूल कॉलेज भूमि आदि की स्थापना व संचालन करना ।
11.	छात्र छात्राओं के शैक्षणिक, शारीरिक, मानसिक सम्बलता हेतु विभिन्न स्रोतों से सहायता प्राप्त कर संचालन करना ।
12.	अनुसूचित जाति जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग व महिलाओं के सामाजिक आर्थिक व शैक्षणिक उत्थान हेतु कार्य करना महिला शसक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग प्रदान करना ।
13.	समस्त प्रकार की उच्च शिक्षा, स्नातक व अधिस्नातक मेडिकल अनुसंधान केन्द्र, इंजिनियरिंग, नर्सिंग बी.एड. तकनीकी शिक्षा, फार्मसी कॉलेज के निर्माण एवं संचालन में सहयोग लेना व सहयोग प्रदान करना ।
14.	विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी विभागों में तकनीकी / प्रशिक्षण कर्मचारी उपलब्ध कराने, न्यूनतम खर्च व बगैर निविदा के सामग्री उपलब्ध कराना एवं सरकारी व गैर सरकारी विभागों से सहायता अथवा अनुदान प्राप्त संस्था के संचालन में सहयोग प्रदान करना ।
15.	विभिन्न प्रकार की बीमारियों के रोकथाम में शिविर आयोजित कर सहयोग देना एवं पर्यावरण, वन, पशु व मत्सय पालन केंद्रों की स्थापना, संचालन बागवानी व वृक्षारोपण कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करना ।
16.	केंद्र / राज्य सरकार व अर्द्धसरकारी संस्थाओं द्वारा जारी विकास योजनाओं से सहयोग प्राप्त कर निराश्रितों, असहाय, वृद्धजनों महिला परित्याकताओ अनु. जाति जनजाति एवं जरूरतमंदों को सहायता करना ।

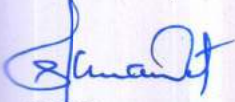
Shanujit

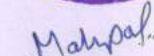
Kavita

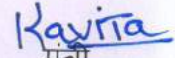
Mahipal

17	केन्द्र / राज्य सरकार व अर्द्धसरकारी संस्थाओं द्वारा जारी विकास योजनाओं से सहयोग प्राप्त कर व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय स्कूल छात्रावास, बालगृहों पालन घरों, और मातृत्व बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन कर सहायता प्रदान करना ।
18	पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम, वन विकास करना, वनोपधियो एवं अन्य पोधों की व्यापारिक कृषि को बढ़ावा देना व सेमीनार आयोजित कर प्रचार प्रसार करना व वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयास करना
19	केंद्र/राज्य सरकार एवं जलभागीदारी से प्राकृतिक आपदा प्रबंधन हेतु सहयोग प्राप्त कर सहायता दिलाना ।
20	मानव जाति की उन्नति हेतु समस्त कल्याणकारी कार्य करना, व प्रचार प्रसार में सहयोग प्रदान करना ।

उपरोक्त उद्देश्यों में कोई लाभ निहित नहीं है ।


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष


मंत्री

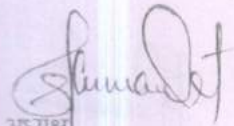


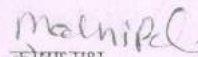
4. सदस्यता - निम्न योग्यता रखने वाले व्यक्ति संस्थान के सदस्य बन सकेंगे -
1. संस्थान के कार्य क्षेत्र में निवास करते हों ।
 2. बालिग हों ।
 3. पागल , दीवालिया न हों ।
 4. संस्थान के उद्देश्यों में रूचि व आस्था रखते हों ।
 5. संस्थान के हित को सर्वोपरि समझते हों ।

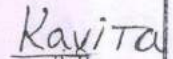
5. सदस्यता का वर्गीकरण - संस्थान के सदस्य निम्न प्रकार वर्गीकृत भी किए जा सकेंगे :-
1. संरक्षक
 2. विशिष्ट
 3. सम्मानित सदस्य
 4. साधारण सदस्य
- (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

6. सदस्यों द्वारा प्रदत्त - उप-नियम संख्या 4 में अंकित सदस्यों द्वारा निम्न प्रकार शुल्क व चन्दा देय होगा ।
- | | | | |
|-------------------|------|-------------|-----------------|
| 1. संरक्षक | राशि |x..... | वार्षिक / आजन्म |
| 2. विशिष्ट सदस्य | राशि |x..... | वार्षिक / आजन्म |
| 3. सम्मानित सदस्य | राशि |x..... | वार्षिक / आजन्म |
| 4. साधारण सदस्य | राशि | 1000/- | वार्षिक / आजन्म |

उक्त राशि एकमुश्त अथवा रू0.....मासिक की दर से जमा कराई जा सकेगी ।


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष


मंत्री

7. सदस्यता से निष्कासन - संस्थान के सदस्यों का निष्कासन निम्न प्रकार किया जा सकेगा
- (क) मृत्यु हो जाने पर
 - (ख) पागल हो जाने पर
 - (ग) त्यागपत्र देने पर
 - (घ) संस्था के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने पर
 - (ङ) प्रबंधकारिणी द्वारा दोषी पाये जाने पर ।

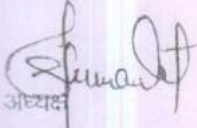
उक्त प्रकार के निष्कासन की अपील 15 दिवस के अन्दर अन्दर लिखित में आवेदन करने पर साधारण सभा के निर्णय हेतु वैध समझी जावेगी तथा साधारण सभा के बहुमत का निर्णय अंतिम होगा ।

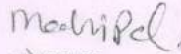
8. साधारण सभा - संस्थान के उप नियम सं. 5 में वर्णित सभी सदस्य मिलकर साधारण सभा का निर्माण करेंगे ।

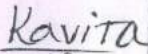
9. साधारण सभा के अधिकार एवं कर्तव्य - साधारण सभा के निम्न अधिकार एवं कर्तव्य होंगे -

- (क) प्रबंधकारिणी समिति का चुनाव करना ।
- (ख) संस्थान का वार्षिक बजट पारित कराना ।
- (ग) प्रबंधकारिणी द्वारा किए गये कार्यों की समीक्षा करना व पुष्टि करना ।
- (घ) संस्थान के कुल सदस्यों के $\frac{2}{3}$ बहुमत से विधान में संशोधन, परिवर्तन अथवा परिवर्धन करना ।

(जो रजिस्ट्रार, संस्थाएं के कार्यालय में फाईल कराया जाकर प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त करने पर लागू होगा)


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष

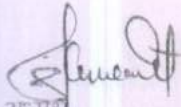

मंत्री

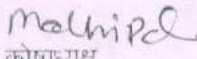
10. साधारण सभा
की बैठकें

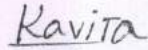
1. साधारण सभा की वर्ष में एक बैठक अनिवार्य होगी ।
लेकिन आवश्यकता पड़ने पर विशेष सभा अध्यक्ष/मंत्री
द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी ।
2. साधारण सभा की बैठक का कोरम कुल सदस्यों का $\frac{1}{3}$
होगा ।
3. बैठक की सूचना 7 दिवस पूर्व व अत्यावश्यक बैठक की
सूचना 3 दिन पूर्व दी जावेगी ।
4. कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः
7 दिन पश्चात निर्धारित स्थान व समय पर आहूत की जा
सकेगी । ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की कोई
आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन विचारणीय विषय वहीं होंगे
जो पूर्व एजेण्डा में थे ।

5. संस्थान के $\frac{1}{3}$ अथवा 15 सदस्य इनमें से जो भी कम हों
के लिखित आवेदन करने पर मंत्री/अध्यक्ष द्वारा एक माह
के अन्दर अन्दर बैठक आहूत करना अनिवार्य होगा ।
निर्धारित अवधि में अध्यक्ष/मंत्री द्वारा बैठक न बुलाये
जाने पर उक्त 15 सदस्यों में से कोई भी 3 सदस्य
नोटिस जारी कर सकें तथा इस प्रकार की बैठक में होने
वाले समस्त निर्णय वैधानिक व सर्वमान्य होंगे ।

(बैठक की सूचना यू.पी.सी. डाक या अखबार के द्वारा दी
जावेगी ।)


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष


मंत्री

11. कार्यकारिणी
का गठन

— संस्थान के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए एक प्रबंधकारिणी का गठन किया जाएगा, जिसके पदाधिकारी व सदस्य निम्न प्रकार होंगे।

1. अध्यक्ष एक
2. उपाध्यक्ष एक
3. कोषाध्यक्ष एक
4. मंत्री एक
5. सदस्य सात

इस प्रकार प्रबंधकारिणी में 03 पदाधिकारी व 04 सदस्य कुल 07 सदस्य होंगे।

(उक्त पदों के अतिरिक्त अन्य पद या पदनाम परिवर्तित किए जावें तो अंकित करें। कम पद रखना चाहे तो रख सकते हैं)

12. कार्यकारिणी का
निर्वाचन

क. संस्थान की प्रबंधकारिणी का चुनाव दो वर्ष की अवधि के लिए साधारण सभा द्वारा किया जावेगा।

ख. चुनाव अप्रत्यक्ष/प्रत्यक्ष प्रणाली से होगा।

ग. चुनाव अधिकारी की नियुक्ति प्रबंधकारिणी द्वारा की जावेगी।

13. कार्यकारिणी के अधिकार
एवं कर्तव्य

— संस्थान की कार्यकारिणी के निम्नलिखित अधिकार व कर्तव्य होंगे

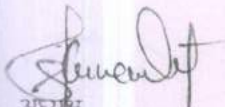
क. सदस्य बनाना/निष्कासित करना।

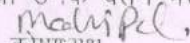
ख. वार्षिक बजट तैयार करना।

ग. संस्थान की सम्पत्ति की सुरक्षा करना।

घ. वैतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना, सेवामुक्त करना

तथा उनके वेतन भत्तों का निर्धारण करना।


अध्यक्ष

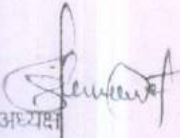

कोषाध्यक्ष

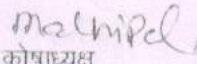

मंत्री

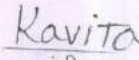
- इ. साधारण सभा द्वारा पारित निर्णयों को क्रियान्विति करना
 च. कार्य व्यवस्था हेतु उप समितियां बनाना ।
 छ. अन्य कार्य जो संस्थान के हितार्थ हों करना ।

14. कार्यकारिणी की बैठकें

- क. कार्यकारिणी की वर्ष में कम से कम 5 बैठकें अनिवार्य होगी लेकिन आवश्यकता होने पर बैठक अध्यक्ष/मंत्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी ।
 ख. बैठक का कोरम प्रबंधकारिणी की कुल संख्या का आधे से अधिक का होगा।
 ग. बैठक की सूचना प्रायः सात दिन पूर्व दी जावेगी तथा अन्य आवश्यक बैठक की सूचना परिचालन से कम समय में भी दी जा सकेगी ।
 घ. कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी, जो पुनः दूसरे दिन निर्धारित स्थान व समय पर की जा सकेगी । ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन विचारणीय विषय वहीं होंगे जो पूर्व एजेण्डा में थे । ऐसी स्थगित बैठक में उपस्थित सदस्यों के अतिरिक्त प्रबंधकारिणी के कम से कम दो पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी । इस सभा की कार्यवाही की पुष्टि आगामी आमसभा में कराना आवश्यक होगा ।
 (बैठक की सूचना यू.पी.सी. डाक या अखवार के द्वारा दी जावेगी ।)


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष


मंत्री

15. प्रबंधकारिणी के पदाधिकारियों के अधिकार व कर्तव्य

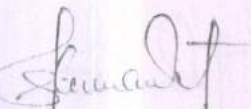
अधिकार व कर्तव्य :- अध्यक्ष :-

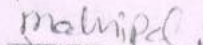
1. बैठकों की अध्यक्षता एवं संचालन करना ।
2. मत बराबर आने पर निर्णायक मत देना ।
3. बैठकें आहूत करना ।
4. संस्थान का प्रतिनिधित्व करना ।
5. संविदा तथा अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना ।
6. अन्य

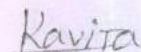
उपाध्यक्ष :-

1. अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के समस्त अधिकारों का प्रयोग करना ।
2. प्रबंधकारिणी द्वारा प्रदत्त अन्य अधिकारों का उपयोग करना ।

1. बैठकें आहूत करना ।
2. कार्यवाही लिखना तथा रेकार्ड रखना ।
3. आय व्यय पर नियंत्रण रखना ।
4. वैतनिक कर्मचारियों पर नियंत्रण करना तथा उनके वेतन व यात्रा बिल आदि पास करना ।
5. संस्थान का प्रतिनिधित्व करना व कानूनी दस्तावेजों पर संस्थान की ओर से हस्ताक्षर करना ।
6. पत्र व्यवहार करना ।
7. सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु वैधानिक अन्य कार्य जो आवश्यक हों ।


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष


मंत्री

कोषाध्यक्ष :-

1. वार्षिक लेखा जोखा तैयार करना ।
2. दैनिक लेखों पर नियंत्रण रखना ।
3. चन्दा/शुल्क/अनुदान आदि प्राप्त कर रसीद देना ।
4. अन्य प्रदत्त कार्य सम्पन्न करना ।

उपमंत्री :-

1. मंत्री की अनुपस्थिति में मंत्री पद के समस्त कार्य संचालन करना !
2. अन्य कार्य जो प्रबंधकारिणी/मंत्री द्वारा सौंपे जावें ।

16. संस्थान का कोष -

संस्थान का कोष निम्न प्रकार से संचित होगा -

1. चन्दा
2. शुल्क
3. अनुदान
4. सहायता

5. राजकीय अनुदान ।

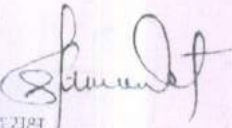
उक्त प्रकार से संचित राशि किसी राष्ट्रीयकृत/सहकारी बैंक में सुरक्षित की जावेगी । अध्यक्ष/मंत्री अथवा कोषाध्यक्ष में से किन्हीं दो अधिकृत पदाधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षरों द्वारा बैंक से लेन-देन संभव होगा ।

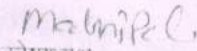
17. कोष संबंधी

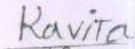
दिशेषाधिकार

संस्थान के हित में तथा कार्य व समय की आवश्यकतानुसार निम्न पदाधिकारी संस्थान की राशि एक मुश्त स्वीकृत कर सकेंगे ।

- | | | |
|---------------|----------|-----|
| 1. अध्यक्ष | 10,000/- | रु० |
| 2. मंत्री | 2,000/- | रु० |
| 3. कोषाध्यक्ष | 30,000/- | रु० |


अध्यक्ष


कोषाध्यक्ष

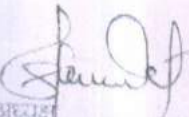

मंत्री

उपरोक्त राशि का अनुमोदन प्रबंधकारिणी से कराया जाना आवश्यक होगा ! अंकेक्षक की नियुक्ति प्रबंधकारिणी द्वारा की जावेगी ।

18. संस्थान का अंकेक्षण - संस्था के समस्त लेखे जोखों का वार्षिक अंकेक्षण करवाया जावेगा तथा वार्षिक लेखे रजिस्ट्रार संस्थाएं प्रतिवर्ष को प्रस्तुत करने होंगे ।
संस्थान का वित्तिय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक होगा ।
19. संस्था के विधान में संशोधन, परिवर्तन संस्था के संविधान में आवश्यकतानुसार साधारण सभा के कुल में सदस्यों के 2/3 बहुमत से परिवर्तन, परिवर्धन अथवा संशोधन किया जा सकेगा जो राजस्थान रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 की धारा 12 के अनुरूप होगा ।
20. विघटन - यदि संस्था का विघटन आवश्यक हुआ तो संस्था की समस्त चल व अचल सम्पत्ति समान उद्देश्य वाली अन्य संस्था को हस्तान्तरित कर दी जावेगी लेकिन उक्त सभी कार्यवाही राजस्थान संस्थान रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1958 की धारा 13 व 14 के अनुरूप होगी ।
21. संस्थान के लेखे जोखों का निरीक्षण - रजिस्ट्रार, संस्थाएं अजमेर को संस्था के निरीक्षण का पूर्ण अधिकार होगा एवं उनके द्वारा दिए गए सुझावों की पूर्ति की जावेगी ।

अमानित किया जाता है कि उक्त विधान (नियमवली) माईल

एगुके शैल एंड रिसेट सेक्टर सेक्टर संस्थान अजमेर व सच्ची प्रतिलिपी है ।


अध्यक्ष

- 73/अजमेर/16-15
Malpoch
Kavita
सेक्टर सेक्टर संस्थान अजमेर
1. संस्थान का पंजीयन क्रमांक.....
 2. संस्था का नाम..... माईल एगुके शैल एंड रिसेट सेक्टर संस्थान अजमेर
 3. किस्म दस्तावेज.....
 4. दस्तावेजों की संख्या.....
 5. दिनांक पंजीयन..... 06-7-18
 6. दस्तावेज रजिस्ट्रार.....



शपथ पत्र

माईन एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर लेखान

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता अधिभूत पदाधिकारी प्रस्तावित संस्था

शपथ पूर्वक घोषणा करते हैं कि

हमारी प्रस्तावित संस्था माईन एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर लेखान के पंजीयन हेतु कुल 10 आवेदक सदस्य हैं।

हमारी प्रस्तावित संस्था के नाम पते पर पूर्व में इस क्षेत्र में कोई संस्था पंजीकृत नहीं है। आवेदक सदस्य अन्य किसी समान उद्देश्य वाली समिति के सदस्य/पदाधिकारी नहीं हैं।

प्रस्तावित संस्था की विधान नियमावली की बिन्दु संख्या 2 व 3 के अन्तर्गत अपने कार्य क्षेत्र में निहित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु गठित की गई हैं।

धारा 3 में वर्णित उद्देश्य संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 की धारा 20 के अन्तर्गत प्राप्त के अनुसार संस्था की कार्यकारिणी एवं पंजीकृत उद्देश्यों की पूर्ति में किसी प्रकार का लाभ निहित होगा।

प्रस्तावित संस्था द्वारा कोई व्यवसायिक गतिविधियां, व्यक्तिगत लाभ अर्जित करने हेतु न तो गठित की गई हैं और न ही किसी प्रकार का लाभ सदस्यों में वितरण होगा।

प्रस्तावित संस्था किसी भी परिस्थिति में व्यवसायिक रूप से कार्य नहीं करेगी तथा न ही इसमें किसी प्रस्तावक सदस्य का निजी व्यक्तिगत लाभ ही निहित होगा।

यदि भविष्य में किसी भी समय इस तथ्य की अवहेलना होना पाया जावेगा, तो प्रस्तावित संस्था अजमेर को पंजीकृत संस्था का पंजीयन रद्द करने का अधिकार होगा।

भविष्य में उक्त बिन्दु संख्या 1 से 7 में अंकित तथ्यों के विपरीत कार्य करने को जानकारी प्रकाश में आने पर रजिस्ट्रार संस्थाएं अजमेर को इस संस्था का पंजीयन रद्द करने का अधिकार होगा।

[Signature]
अध्यक्ष

Kavita
मंत्री

[Signature]
काषाध्यक्ष

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथ ग्रहित सत्यापित करते हैं कि बिन्दु संख्या 1 से 6 तक के तथ्य हमारी जानकारी में सही हैं, कोई भी तथ्य रिपाया नहीं गया है। उपरोक्त तथ्यों के विपरीत कोई जानकारी प्रकाश में आने पर रजिस्ट्रार संस्थाएं अजमेर को पंजीयन रद्द करने का अधिकार होगा।

[Signature]

Kavita
मंत्री

[Signature]
काषाध्यक्ष

ATTESTED
30/11/2017
NOTARY PUBLIC, AJMER
27/11/17